Printed Pages – 4

AI-1357

B. A. (Private) (Part-I)
Term End Examination, 2020-21

SANSKRIT LITERATURE

Paper : First

Time Allowed : Three hours

Maximum Marks : 75

*नोट : सभी **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।*

इकाई-I

1. निम्नलिखित श्लोकों में से किन्हीं **दो** श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए— 15

(क) सुखमर्थो भवेत् दातुं सुखं प्राणाः सुखं तपः।
सुखमन्यद् भवेत् सर्वं दुःखं न्यासस्य रक्षणम्॥

(ख) खगावासोपताः सलिल भवगाढ़ो मुनिजनः,
प्रदीप्तोऽग्निर्भाति प्रविचरति धूमोमुनिवनम्।

परिभ्रष्टो दूराद् रविरपि च सङ्क्षिप्तकिरणो,
रथंव्यावर्त्याऽसौ प्रविशति शनैरस्त शिखरम्॥

(ग) उदयनवेन्दु सवर्णावासवदत्ताबलौ बलस्य त्वाम्।
पद्मावतीर्णपूर्णौ वसन्तक्रमों भुजौ पाताम्॥

(घ) तीर्थोदकानि समिधः कुसुमानि दर्भान्,
स्वैरं वनादुपनयन्तु तपोधनानि।
धर्मप्रिया नृपसुता नहि धर्म पीडा-
मिच्छेत् तपस्विषु कुलव्रतमेतदस्याः॥

इकाई-II

2. वासवदत्ता की चारित्रिक विशेषताएँ बताइये। 15

अथवा

स्वप्नवासवदत्तम् की नाटकीय विशेषताएँ लिखिए।

इकाई-III

3. (क) निर्देशानुसार किन्हीं **चार** शब्दों के रूप लिखिए— 10

(i) बालक – पंचमी विभक्ति

(ii) कवि – तृतीया विभक्ति

(iii) भानु – द्वितीया विभक्ति

(iv) गुरू - सप्तमी विभक्ति

(v) पिता - द्वितीया विभक्ति

(vi) मतिः - तृतीया विभक्ति

(ख) निर्देशानुसार किन्हीं **चार** धातु रूप लिखिए— 10

(i) पठ धातु - लट् लकार प्रथम पुरुष

(ii) भू धातु - लट् लकार मध्यम पुरुष

(iii) कृ धातु - विधि लिङ् लकार प्रथम पुरुष

(iv) वद् धातु - लोट् लकार प्रथम पुरुष

(v) अस् धातु- लृट् लकार उत्तम पुरुष

(vi) चुर् धातु - लृट् लकार प्रथम पुरुष

इकाई-IV

4. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पदों का संधि विग्रह करके नाम लिखिए— 8

(i) यद्यपि

(ii) मध्वरिः

(iii) मात्राज्ञा

(iv) शशाकः

(v) गिरीशः

(vi) गणेशः

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** सूत्रों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए— 7

(i) सहयुक्तेऽप्रधाने

(ii) कर्मणायमभिप्रैतिससम्प्रदानम्

(iii) ध्रुवमपाये उपादानम्

(iv) आधारोऽधिकरणम्

इकाई-V

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए— 10

(i) तुम्हे नमस्कार है।

(ii) ईश्वर सर्वत्र है।

(iii) परोपकार ही धर्म है।

(iv) मुझे फूल अच्छा लगता है।

(v) फल वृक्ष से गिरते हैं।

(vi) सज्जन पाप से डरते हैं।

(vii) कालिदास कवियों में श्रेष्ठ हैं।